Swachh Pakhwada celebration at Sangam Ghat, Allahabad on 16.03.2017

An inauguration/ curtain raising/ mass awareness programme for cleanliness drive at Sangam Ghat, Allahabad was organised by the National Mission for Clean Ganga on March 16, 2016 (1400 hrs to 1800 hrs) with active support of the Allahabad District administration and various Departments of Central Govt. and State Govt.; Schools; NGOs, Para Military, Civil Defence, Home Guards etc. The event was also attended by the following officers of CWC:

1. Shri S.K.Sibal, Chief Engineer, UGBO, CWC, Lucknow
2. Shri Anupam Prasad, SE, H.O.Circle, CWC, Varanasi
3. Shri Shiva Prakash, SE(C), UGBO, CWC, Lucknow
4. Shri Rakesh Kumar Gautam, Ex. Engineer, MGD-III, CWC, Varanasi
5. Shri S.C.Tripathi, AE (C) , UGBO, CWC, Lucknow
6. Shri Prakash Ram, SDE, MGYSD, CWC, Allahabad

Besides, the event was also attended by the Mayor & District Magistrate of the Allahabad. After a brief discourse, Pledge ceremony & Signature campaign for the Swachh Ganga was held. Finally, Shram Daan event was held to clean the Sangam area with a view to inculcate the importance of individual cleaning of the river Ganga amongst the masses.

A few photographs and news cuttings of the event held are attached.

CHOIR

01 BN R.A.F
गंगा स्वच्छता पखवाड़ा

मिशन द्वारा पर्यावरण शिक्षण केंद्र के सहयोग व स्थानीय संस्थानों के साथ मिल कर १६ से ३१ मार्च २०१७ के दौरान गंगा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान पांच राज्यों में नदी के किनारे के शहरों और कस्बों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

आईये हम सब मिलकर अपना योगदान देकर गंगा नदी को बचाने के लिए संकल्प लें कि:

- हम अपने क्षेत्र के गंगा के तट को साफ सुथरा रखेंगे एवं यहाँ रहने वाले लोगों को भी गंगा को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करेगें।
- हम गंगा में कूड़ा-कचरा व पॉलिथीन नहीं डालेगें।
- हम हमेशा कपड़े के थैले का प्रयोग करेंगे।
- हम अपने घरों के गंदे पानी के निपटान के लिए सोख्ता गड्ढा बनायेंगे।
- हम गंगा में पूजा सामग्री व मूर्तियाँ विसर्जित नहीं करेंगें।
- हम पूजा सामग्री को नदी में प्रवाहित करने के बजाय मिटटी में गाड़ेंगे।
- हम खुलें में शौच के बजाय शौचालय का प्रयोग करेंगे।
- हम एक बार प्रयोग के बाद फेंक दी जाने वाली वस्तुओं का उपयोग नहीं करेंगें।

गंगा जमुनी तहज़ीब के प्रहरी
101 BN R.A.

हमारा संकल्प
को हम मिलकर

नमामि गंगे
गंगा जमुनी तहज़ीब के प्रहरी
101 RAPID ACTION FORCE, ALLAHABAD
नमामि गंगे

101 R.A.F

जनसहयोग से निर्मल होंगी गंगा : डा. राव

सत्ता परिवर्तन के साथ ही निर्मल गंगा की मुहिम में अब आएगी धार, प्रदेश में भाजपा के पूर्ण बहुमत में आने पर काम में आई सक्रियता

संगम किनारे गंगा सफाई की शपथ लेते जिलाधिकारी संजय कुमार साथ में मेयर अभिलाषा गुप्ता व अन्य अधिकारी ●जागरण

गंगा की सफाई करते स्कूली छात्र-छात्राएं ●जागरण

जासं, इलाहाबाद : प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार आने के बाद ही गंगा की निर्मलता का काम शुरू हो गया है। गुरुवार को राष्ट्रीय स्वच्छता गंगा मिशन (एनएमसीजी) के अफसरों ने गंगा सफाई पखवाड़ा की शुरुआत संगम से की। शुभारंभ अवसर पर एनएमसीजी के संयुक्त सचिव व डिप्टी डायरेक्टर जनरल डा. सीवी धर्म राव ने कहा कि जनसहयोग से ही गंगा साफ होगी। इस आयोजन के जरिए लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

संगम नोज पर हुए कार्यक्रम में डा. सीवी धर्म राव ने कहा कि गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के आयोजन का मुख्य उद्देश्य धार्मिक आस्था की प्रतीक गंगा नदी को स्वच्छ व निर्मल बनाना है। लोगों को गंगा की स्वच्छता के प्रति जागरूक व प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, तट के विकास, घाटों की सफाई की जाएगी। एनएमसीजी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हितेश मखवाना ने कहा कि गंगा सफाई प्रधानमंत्री की प्राथमिकता में है। सफाई के लिए सरकारी स्तर पर प्रयास जारी हैं। इसमें जनता का सहयोग मिले तो गंगा निर्मल का काम पूरा हो जाएगा।

गंगा किनारे रेत पर सफाई करते रैपिड एक्शन फोर्स के जवान ●जागरण

महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने कहा कि नदियां हमारी संस्कृति और धरोहर हैं। इन्हें बचाना हमारी जिम्मेदारी है। डीएम संजय कुमार ने कहा कि गंगा, यमुना तथा अदृश्य सरस्वती इस पृथ्वी पर आस्था का जीवंत स्वरूप है। उन्होंने सभी से अपील किया कि वे श्रमदान कर गंगा को निर्मल बनाने में सहयोग करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगर कोई प्रदूषण फैलाए तो उस पर सख्ती करें। एनएमसीजी से मोहम्मद नजीब अहसन ने बताया कि गंगा स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम 15 स्थानों पर किया जा रहा है। इलाहाबाद के अलावा वाराणसी, कानपुर, बुलंदशहर, नरौरा, वृंदावन, गढ़ मुक्तेश्वर आदि में इसका आयोजन किया जाएगा। देविका माथुर ने बताया कि पखवाड़े में गंगा संदेश यात्रा, गंगा स्वच्छता श्रमदान, गंगा प्रदर्शनी, चित्रकला, निबंध, स्लोगन प्रतियोगिता, संगोष्ठी, जन चेतना अभियान, पदयात्रा, गंगा आरती, गंगा चौपाल आदि का आयोजन किया जाएगा। आखिर में स्कूली बच्चों, आरएएफ, आइटीबीपी, पुलिस और एनजीओ के साथ गंगा की सफाई हुई।

मुहिम की शुरुआत में गंगा सफाई के लिए संकल्प लेते सरकारी कर्मी ●जागरण

सत्ता बदलते ही अफसर सक्रिय : गंगा सफाई अभियान में सत्ता का असर साफ दिखा। करीब छह महीने पर नमामि गंगे के तहत शहर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उसमें दिल्ली से कई अफसर आए थे। तब उस कार्यक्रम में डीएम, नगर आयुक्त आदि कोई अफसर नहीं पहुंचे थे। उस समय प्रशासन की ओर से एडीएम ने हाजिरी लगाई थी। केशव मौर्या ने आपत्ति भी जताई थी। अब सत्ता बदल गई तो सभी जिला स्तरीय अफसर गुरुवार को मंच और नमामि गंगे के अफसरों के साथ-साथ कदमताल करते दिखे।

कार्यक्रम में बच्ची बेहोश

दोपहर को गंगा किनारे तेज धूप में गंगा सफाई का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बुलाई गई छात्राओं ने नृत्य व गीत पेश किया। तभी गर्मी के चलते कक्षा छह की छात्रा साक्षी गश खाकर गिर गई। इससे वहां अफरातफरी मच गई। फिर बच्ची को उठाकर पानी के छींटें मारे गए और पानी पिलाया तो वह ठीक हुई।

DAINIK JAGARAN, ALLAHABAD-17.03.2017

पहले से साफ संगम घाट पर की सफाई

नमामि गंगे योजना के तहत संगम नोज से शुरू किया गया गंगा स्वच्छता पखवाड़ा

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद।

नगर निगम कर्मचारियों और अर्द्ध सैनिक बलों के जवानों द्वारा पहले से साफ किए गए संगम घाट पर बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानिदेशक डॉ.सीवी धर्मा राव, संयुक्त सचिव हितेश मखवाना और डीएम संजय कुमार ने गंगा सफाई के साथ स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत की। गंगा स्वच्छता पखवाड़ा यूपी, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक साथ शुरू हुआ है, जो 31 मार्च को खत्म होगा।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन एवं जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय की ओर से नमामि गंगे योजना के तहत संगम नोज पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ.राव एवं मखवाना ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़े का उद्देश्य गंगा को स्वच्छ रखने के लिए लोगों को जागरूक एवं प्रेरित करना है, ताकि नदी में घरेलू कचरा आदि न डाला जाए। कहा कि नमामि गंगे के अंतर्गत एसटीपी, तट विकास, घाटों की सफाई आदि के प्रति लोगों को जागरूक करना है। महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने जब तक हम भावनात्मक रूप से नहीं जुड़ेंगे, गंगा को स्वच्छ नहीं रखा जा सकता। डीएम ने कहा कि गंगा को सभी के सहयोग से संरक्षित करना होगा। यह किसी व्यक्ति या संस्था से नहीं, खुद की प्रेरणा से साफ हो सकती है। अफसरों से कहा कि गंगा में गंदगी डालने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करें।

संगम तट पर गंगा स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के उद्घाटन पर सफाई करतीं छात्राएं।

संदेश यात्रा, श्रमदान, प्रतियोगिताओं, संगोष्ठी आदि के जरिए लोगों को करेंगे जागरूक

सीईई देविका माथुर ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़े के तहत गंगा संदेश यात्रा, गंगा स्वच्छता श्रमदान, गंगा प्रदर्शनी, चित्रकला, निबंध एवं स्लोगन प्रतियोगिता, संगोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जन चेतना अभियान, पद यात्रा, गंगा आरती, गंगा चौपाल आदि के जन जागरूक किया जाएगा। एनएमसीजी के वरिष्ठ अधिकारी मोहम्मद नजीब अहमद ने गंगा स्वच्छता पखवाड़ा के सफल आयोजन के लिए सेंटर फॉर एन्वायरमेंट एजुकेशन को नोडल एजेंसी बनाया गया है। कार्यक्रम में आएएफ, आईटीबीपी, पुलिस, स्कूल-कॉलेज, गैर सरकारी संगठन के लोगों के प्रतिभाग किया। संचालन सुधीर त्रिवेदी ने किया।

एसटीपी नहीं अब संदेश यात्रा श्रमदान से स्वच्छ होंगी गंगा

इलाहाबाद (ब्यूरो)। करोड़ों, अरबों रुपये खर्च करने के जो हाल सरकारी योजनाओं का हश्र होता है, गंगा का भी वही हाल है। भारी-भरकम रकम खर्च कर एसटीपी का निर्माण, गंगा सफाई के लिए महंगी मशीनें, लेकिन इन सबका कोई असर नहीं। गंगा को स्वच्छ करने में नाकाम केंद्र सरकार ने अब गंगा स्वच्छता पखवारा शुरू किया है। इसके तहत गंगा संदेश यात्रा, गंगा स्वच्छता श्रमदान, गंगा प्रदर्शनी, चित्रकला/निबंध/स्लोगन प्रतियोगिताएं, संगोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जन चेतना अभियान, पदयात्रा, गंगा आरती के जरिए आम लोगों को जागरूक किया जाएगा। बृहस्पतिवार को नमामि गंगे योजना के अफसर, डीएम की मौजूदगी में संगम नोज से इसकी शुरूआत हुई, जिसके बारे में शहरियों को शायद जानकारी भी नहीं होगी। अब इस अभियान का कितना असर होगा, 26 मार्च के बाद सामने आ जाएगा। गंगा के प्रति जन जागरूकता की शुरूआत कोई पहली बार नहीं हुई है। नमामि गंगे योजना के तहत नगर निगम को इस काम के लिए बकायदा बजट आवंटित है, लेकिन यह काम सिर्फ माघ मेला के दौरान होता है, जिसका रत्ती भर असर भी नहीं दिखता। गंगा में गंदगी उसी तरह जा रही है। नालों का पानी सीधे गंगा में गिर रहा है। अरबों की लागत से सलोरी, मेहंदौरी, पोंगहट, नुमायाडाही, कोडरा में बने एसटीपी से लाखों लीटर पानी बिना ट्रीटमेंट के गंगा में छोड़ा जा रहा है और गंगा की इस हालत के बीच दिल्ली में बैठे अफसर जल को स्वच्छ और निर्मल करने की बात कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि गंगा की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।बृहस्पतिवार को संगम नोज पर गंगा स्वच्छता पखवारा की शुरूआत हुई। पहले तो कड़ी धूप में दोपहर दो बजे से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, दूसरे इसके लिए प्रचार-प्रसार नहीं किया गया। संगम नोज पर कुछ स्कूल के बच्चों, अर्द्ध सैनिक बलों के जवाब, शहर के गिने-चुने लोग और सजे मंच पर महापौर के साथ दिल्ली और इलाहाबाद के अफसर। गंगा को लेकर कुछ देर भाषणबाजी चली। करीब चार घंटे के कार्यक्रम में एक बार फिर गंगा स्वच्छता के लिए लंबे-लंबे उपदेश दिए गए। स्वच्छता के लिए हस्ताक्षर अभियान चला, उसके बाद सब लौट गए। अब इस तरह के कार्यक्रम कितने कारगर होंगे यह आने वाले दिनों में पता चलेगा।

करोड़ों, अरबों खर्च करने के बावजूद गंगा जल की स्थिति खराब